सत्यमेव जयते

Rajasthan State
ACTION PLAN
on
Climate Change
2022

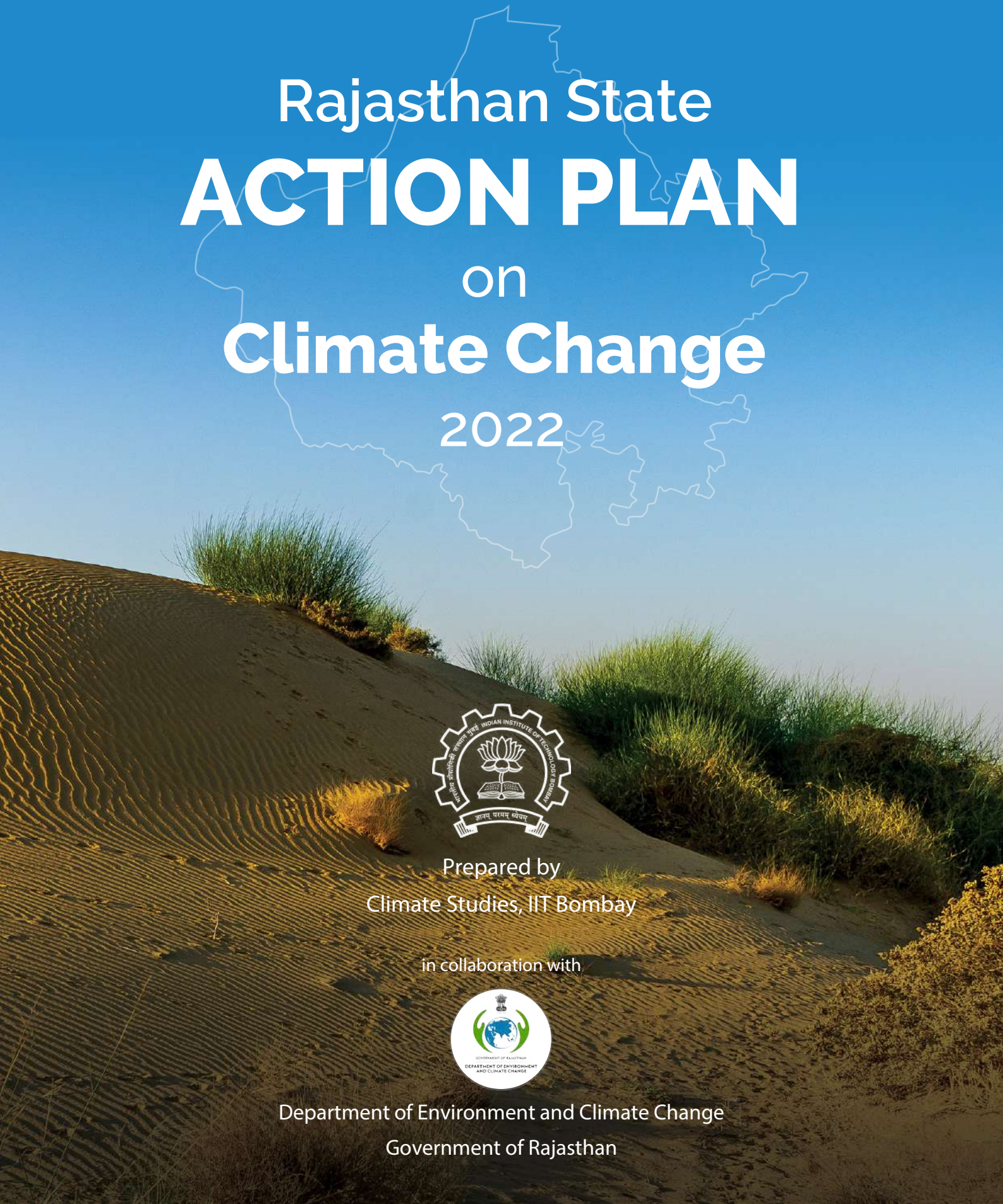

Prepared by

Climate Studies, IIT Bombay

in collaboration with

Department of Environment and Climate Change

Government of Rajasthan

मुख्य मंत्री
राजस्थान

प्राक्कथन

औद्योगिक क्रांति के बाद विश्व में बढ़ते औद्योगीकरण के कारण जलवायु में बहुत अधिक परिवर्तन देखा जा रहा है। इसके परिणाम से बढ़ता हरित गृह प्रभाव (Green House Effect) के रूप में सामने आया है। पृथ्वी का औसत तापमान 15 डिग्री सेल्सियस है, जो कि पूर्व में काफी कम था। पृथ्वी के बढ़ते तापमान से हो रहे जलवायु परिवर्तन से खाद्यान्न उत्पादन में कमी, बाढ़, सूखा प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि, पेयजल की कमी, जीव–जन्तुओं की प्रजातियों के विलुप्त होने के साथ–साथ संपूर्ण मानव प्रजाति पर भी संकट बढ़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक समस्या है। इस समस्या से निदान के लिए व्यापक रूप से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। देश और प्रदेश को जलवायु परिवर्तन की इस समस्या को गंभीरता से लेना आवश्यक है। साथ ही वातावरण को प्रभावित कर रही मानवीय गतिविधियों को नियंत्रित करना बहुत जरूरी है। जीवाश्म ईंधन का दहन, औद्योगिक अपशिष्टों का अनुचित निस्तारण, वाहनों के प्रदूषण से कार्बन का उत्सर्जन आदि जलवायु पर गंभीर और प्रतिकूल प्रभाव छोड़ते हैं।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों की गंभीरता को ध्यान मे रखते हुए राज्य सरकार ने "Rajasthan State Climate Change Action Plan" तैयार किए जाने की घोषणा की थी।

आशा है इस योजना के क्रियान्वयन से राजस्थान में जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों की कारगर ढंग से रोकथाम हो सकेगी।

मैं इस योजना को तैयार करने में प्रतिभागी रहे राज्य सरकार के सभी अधिकारियों और IIT Bombay को हार्दिक बधाई देते हुए इस प्रकाशन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(अशोक गहलोत)

प्राक्कथन

मानव जनित कारणों एवम प्राकृतिक कारणों से जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक समस्या बन गई है। हमे यह भौतिक संसाधनों से परिपूर्ण दुनिया पर्यावरण के दोहन की कीमत पर मिली है। विकास के साथ प्रदूषण भी बढ़ रहा है। शहरीकरण, औद्योगीकरण, खनिज खनन, जनसंख्या वृद्धि रासायनिक कीटनाशको एवं उर्वरकों का असीमित उपयोग, प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन इत्यादि प्रमुखतया जलवायु परिवर्तन का कारक बने है। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावो मे अम्ल वर्षा, ओजोन परत का क्षरण एवं ग्रीन हाउस प्रभाव मुख्य है।

हमे प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हमे तुरन्त प्रभाव से वनों की कटाई पर रोक लगाकर वनीकरण करना होगा, जीवाश्म ईंधन का प्रयोग कम कर गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों के उपयोग को बढ़ाना होगा, ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम कर जैव उर्वरको का अधिकतम उपयोग करना होगा। इस कार्य के लिये प्रदेश में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन की स्थिति का एक वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर तकनीकी उपायों को सम्मलित कर एक योजना तैयार करने की आवश्यकता थी। माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा "State Action Plan for Climate Change" तैयार किए जाने कि घोषणा करने के लिये मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। साथ ही पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अधिकारियों एवं IIT Bombay को इस प्लान को तैयार करने के लिये बधाई देता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि एक्शन प्लान के क्रियान्वयन से राजस्थान प्रदेश की जलवायु में आशातीत सुधार होगा तथा इसके दुष्प्रभावों से बचा जा सकेगा।

(हेमाराम चौधरी)
वन एवं पर्यावरण मंत्री

Usha Sharma, I.A.S.
उषा शर्मा, आई.ए.एस.

Chief Secretary
मुख्य सचिव
राजस्थान सरकार
GOVERNMENT OF RAJASTHAN

Foreword

Climate change is the most ominous global challenge we are facing today which poses a great risk to our Ecology, Economy and Society. Recent observations compared with past trends show that changes being experienced in the environment are over and above the natural variability prevailing in the region. The ill effects of these rapid changes are omnipresent in a way that they follow us everywhere,be it in our home, work or travel whether far or near. Severe winters, summers and erratic rainfalls are a manifestation of climate change and are now becoming a constant feature. The changing weather patterns like irregular or late onset of rainfall affects our agriculture, productivity. The health impact of climate change though may manifest gradually but consequently is of significant importance.Already, water resources in the State are scarce and have a highly uneven distribution both temporally and spatially. Moreover, the State also has the highest probability of drought occurrence in the country. Threats of climate change and poor environmental conditions thus calls for timely and coherent policy response and action that will help reduce vulnerability and build resilience towards climate change impacts.

I am pleased to know that the Departments of Environment & Climate Change Government of Rajasthan in collaborationwith IIT Bombay as its knowledge partner had consultation with stake holders and has prepared a Rajasthan State Climate Change Action Plan. I hope that the priorities identified under this Plan will lead to implementation of strategies that will help to address the challenge posed by the changing scenario of global Environment and Climate. I am sure that such action will help in channellising environmental resources of the State, thereby promoting a sustainableenvironment & develop Rajasthan into a Climate Change Resilient State.

(Usha Sharma)

कक्ष सं. 4009, मुख्य भवन, शासन सचिवालय, जयपुर-302 005 | Room No. 4009, Main Building, Secretariat, Jaipur-302 005
Tel. No. 0141-2227254, 2385892 (Office) 0141-2227114 (Fax) 0141-2561324 (Res.) E-mail : csraj@rajasthan.gov.in

Shikhar Agrawal
IAS

सत्यमेव जयते

Principal Secretary
Department of Forest,
Environment & Climate Change
Government of Rajasthan

Date: 24.05.2022

Foreword

Adverse effects of the climate change are more visible than ever. These effects include frequent droughts, erratic rainfall, large scale water scarcity, severe fires and declining biodiversity.

Department of Environment and Climate Change in collaboration with IIT Bombay has prepared this plan after detailed consultation with a large number of stakeholders.

I sincerely hope that this plan would help in appropriate policy formulation and timely action to handle this challenge.

(Shikhar Agrawal)

Room No. 4224, Main Building, Secretariat, Jaipur-302005 (Rajasthan)
Phone : +91-141-2227142 • e-mail : shikhar.agrawal@nic.in